Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

समकालीन विश्व राजनीति

अध्याय - 6

पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन

भाग - 2

Satyaveer Yadav

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

साझी-संपदा का अर्थ :-

ऐसी संपदा जिस पर किसी समूह के प्रत्येक सदस्य का स्वामित्व हो।



मूल तर्क - ऐसे संसाधनों की प्रकृति, उपयोग के स्तर और रख-रखाव के संदर्भ में समूह के हर सदस्य को समान अधिकार प्राप्त होंगे ओर समान उत्तरदायित्व निभाने होंगे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



विश्व की साझी संपदा की सुरक्षा :-

- विश्व के कुछ हिस्से और क्षेत्र किसी एक देश के संप्रभु क्षेत्राधिकार से बाहर होते हैं।
- इसीलिए उनका प्रबंधन साझे तौर पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा किया जाता है।
- इन्हें 'वैश्विक संपदा' या 'मानवता की साझी विरासत' कहा जाता है।
- इसमें पृथ्वी का वायुमंडल, अंटार्कटिका, समुद्री सतह और बाहरी अंतरिक्ष शामिल है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

शीतयुद्ध कालीन दौर

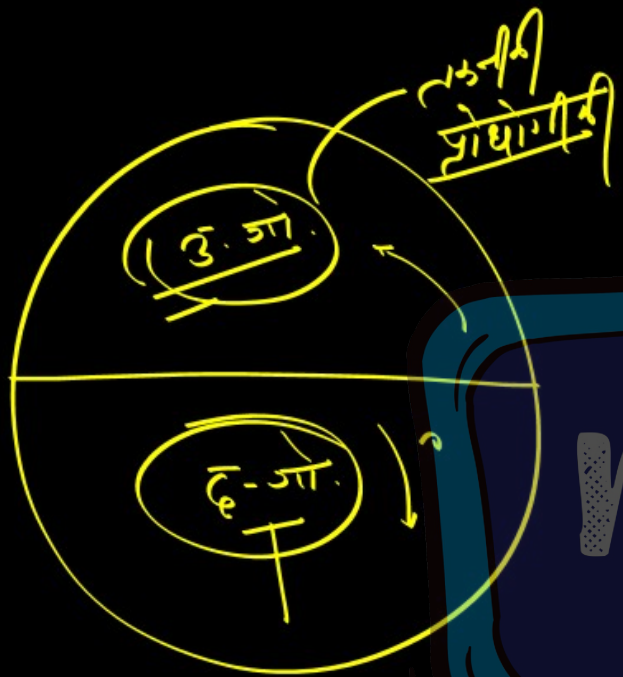
- 'वैश्विक संपदा' की सुरक्षा के सवाल पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग कायम करना बेहद मुश्किल।

समस्या :-

- अपुष्ट वैज्ञानिक साक्ष्यों और समय-सीमा को लेकर मतभेद पैदा होते हैं।
- ऐसे में सर्वमान्य पर्यावरणीय अंजेडा पर सहमति कायम करना मुश्किल।
- इस अर्थ में 1980 के दशक के मध्य में अंटार्कटिका के ऊपर ओजोन परत में छेद की खोज एक आंख खोल देने वाली घटना है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- बाहरी अंतरिक्ष के प्रबंधन पर उत्तरी गोलार्द्ध और दक्षिणी गोलार्द्ध के देशों के बीच मौजूद असमानता का असर।
- धरती के वायुमंडल और समुद्री सतह के समान यहां भी महत्वपूर्ण मसला प्रौद्योगिकी और औद्योगिक विकास का है।
- बाहरी अंतरिक्ष में जो दोहन-कार्य हो रहे है उनके फायदे न तो मौजूदा पीढ़ी में सबके लिए बराबर है और न ही आगे की पीढ़ियों के लिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

साझी परंतु अलग–अलग जिम्मेदारियां

पर्यावरण को लेकर रवैया

विकसित देश

- पर्यावरण के उसी रूप में चर्चा जिस रूप में पर्यावरण आज मौजूद है।
- पर्यावरण संरक्षण में हर देश की जिम्मेदारी बराबर

विकासशील देश

- विश्व में पारिस्थितिकी को नुकसान अधिकांशतया विकसित देशों के भौगोलिक विकास से
- विकसित देशों को इस नुकसान की भरपाई की ज्यादा जिम्मेदारी उठानी होगी।
- अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण कानून के निर्माण, प्रयोग और व्याख्या में विकासशील देशों की विशिष्ट जरूरतों का ध्यान रखा जाना चाहिए।

1992 के पृथ्वी सम्मेलन में इस तर्क को मान लिया गया और इसे 'साक्षी परंतु अलग–अलग जिम्मेदारियों का सिद्धांत कहा गया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

UNFCCC

United Nations Frame work Convention on climate change

1992

रियो घोषणापत्र में कहा गया कि टिकाऊ विकास के अंतर्राष्ट्रीय प्रयास में विकसित देश अपनी खास जिम्मेदारी स्वीकार करते हैं।

जलवायु परिवर्तन से संबंधित संयुक्त राष्ट्रसंघ नियमाधार यानी यूनाइटैड नेशंस फ्रेमवर्क कंवेशन ऑन क्लाइमेंट चेंट (UNFCCC-1992) में भी कहा गया कि इस संधि को स्वीकार करने वाले देश अपनी क्षमता के अनुरूप, पर्यावरण के अपक्षय के हिस्सेदारी के आधार पर साझी परंतु अलग-अलग जिम्मेदारियां निभाते हुए पर्यावरण की सुरक्षा के प्रयास करेंगे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

